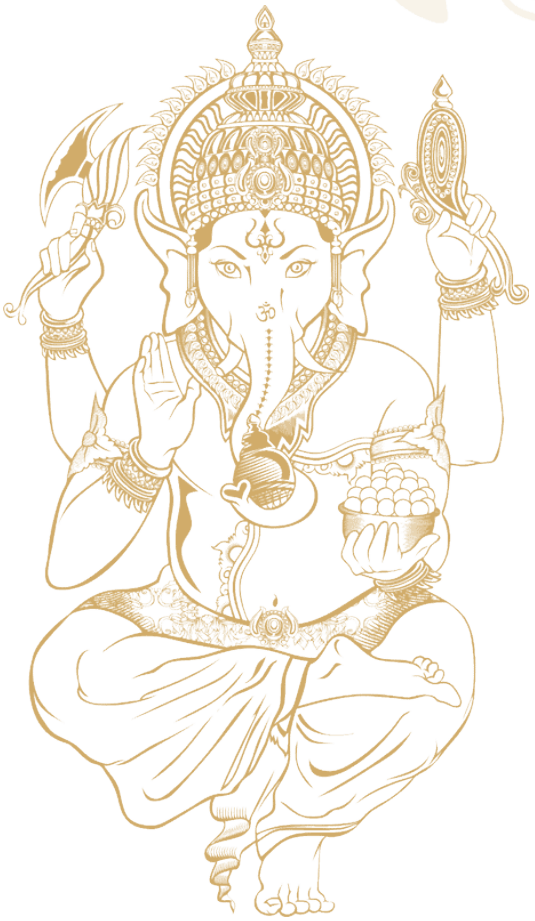

Megha

07 Apr 1986

04:15 PM

Calcutta

Model: web-freekundliweb

Order No: 121144103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**07/04/1986**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:15:00 घंटे**
इष्ट	27:06:10 घटी
स्थान	**Calcutta**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:30:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:38:20 घंटे
वेलान्तर	-00:02:16 घंटे
साम्पातिक काल	05:40:00 घंटे
सूर्योदय	05:24:32 घंटे
सूर्यास्त	17:53:44 घंटे
दिनमान	12:29:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	23:39:39 मीन
लग्न के अंश	01:42:57 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:42:57	333:21:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			मीन	23:39:39	00:59:02	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मीन	02:57:09	12:37:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल			धनु	11:23:48	00:28:31	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			कुंभ	27:02:34	00:38:46	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	16:56:53	00:12:57	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मेष	12:37:29	01:13:52	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	15:44:33	00:01:51	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	06:17:59	00:01:32	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	06:17:59	00:01:32	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	28:39:39	00:00:33	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	12:08:52	00:00:00	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	12:50:11	00:01:34	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			मिथु	01:44:45	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:46

लग्न-चलित

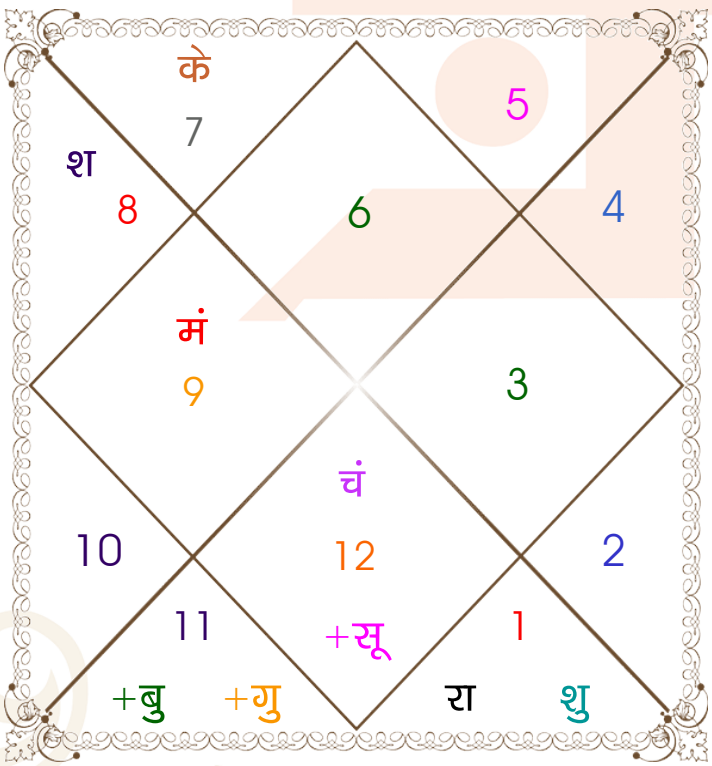

चन्द्र कुंडली

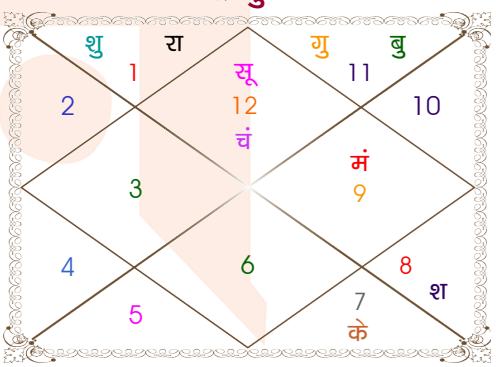

नवमांश कुंडली

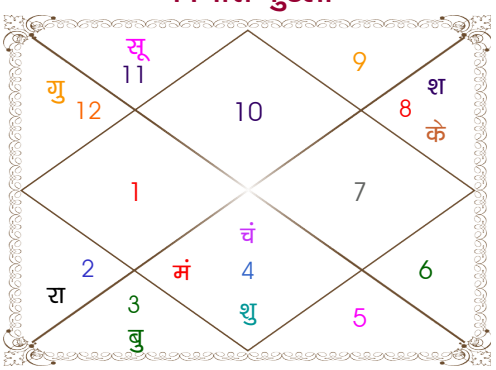

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 5 मास 14 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/04/1986		21/09/1986		21/09/2005		21/09/2022		21/09/2029	
21/09/1986		21/09/2005		21/09/2022		21/09/2029		21/09/2049	
	00/00/0000	शनि	24/09/1989	बुध	18/02/2008	केतु	17/02/2023	शुक्र	20/01/2033
	00/00/0000	बुध	03/06/1992	केतु	14/02/2009	शुक्र	18/04/2024	सूर्य	21/01/2034
	00/00/0000	केतु	13/07/1993	शुक्र	16/12/2011	सूर्य	24/08/2024	चंद्र	21/09/2035
	00/00/0000	शुक्र	11/09/1996	सूर्य	21/10/2012	चंद्र	25/03/2025	मंगल	21/11/2036
	00/00/0000	सूर्य	24/08/1997	चंद्र	23/03/2014	मंगल	21/08/2025	राहु	21/11/2039
	00/00/0000	चंद्र	26/03/1999	मंगल	20/03/2015	राहु	09/09/2026	गुरु	22/07/2042
	00/00/0000	मंगल	04/05/2000	राहु	06/10/2017	गुरु	16/08/2027	शनि	21/09/2045
	07/04/1986	राहु	11/03/2003	गुरु	12/01/2020	शनि	24/09/2028	बुध	22/07/2048
राहु	21/09/1986	गुरु	21/09/2005	शनि	21/09/2022	बुध	21/09/2029	केतु	21/09/2049

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/09/2049		21/09/2055		21/09/2065		21/09/2072		21/09/2090	
21/09/2055		21/09/2065		21/09/2072		21/09/2090		08/04/2106	
सूर्य	08/01/2050	चंद्र	22/07/2056	मंगल	17/02/2066	राहु	04/06/2075	गुरु	08/11/2092
चंद्र	10/07/2050	मंगल	20/02/2057	राहु	08/03/2067	गुरु	27/10/2077	शनि	23/05/2095
मंगल	15/11/2050	राहु	22/08/2058	गुरु	11/02/2068	शनि	02/09/2080	बुध	28/08/2097
राहु	10/10/2051	गुरु	22/12/2059	शनि	22/03/2069	बुध	23/03/2083	केतु	03/08/2098
गुरु	28/07/2052	शनि	22/07/2061	बुध	19/03/2070	केतु	09/04/2084	शुक्र	04/04/2101
शनि	10/07/2053	बुध	21/12/2062	केतु	16/08/2070	शुक्र	10/04/2087	सूर्य	22/01/2102
बुध	16/05/2054	केतु	23/07/2063	शुक्र	16/10/2071	सूर्य	04/03/2088	चंद्र	24/05/2103
केतु	21/09/2054	शुक्र	22/03/2065	सूर्य	21/02/2072	चंद्र	03/09/2089	मंगल	29/04/2104
शुक्र	21/09/2055	सूर्य	21/09/2065	चंद्र	21/09/2072	मंगल	21/09/2090	राहु	08/04/2106

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 5 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करती कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहती हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करती है कि आपकी छोटी सी महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुकी हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगी और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगी। आप अस्थिर बुद्धि की महिला हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगी। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधी लम्बे आकृति की तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहती हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति की अंहकार से युक्त प्राणी है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होती हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि की महिला हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करती हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखती हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाती हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेती हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकती हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकती हैं। यदि आपमें

कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर की नेता हो सकती हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकती है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।